श्याम तेरी चौखट | By Nisha Dwivedi

श्याम तेरी चौखट पे सुनाई ना होती
कहाँ श्याम जाते कहाँ श्याम जाते

रास्ते की पत्थर को तुमने तराशा
वरना बनाती ये दुनिया तमाशा
अगर तुमने मंज़िल दिखाई ना होती
कहाँ श्याम जाते कहाँ श्याम जाते

वक़्त ने कैसे कैसे दिन थे दिखाए
कैसे बयान करूँ कुछ समझ में ना आये
हाथों की लकीरें तुमने सजाई ना होती
कहाँ श्याम जाते कहाँ श्याम जाते

आज बाबा जो भी शोहरत है मेरी
तेरी कृपा से वो इज़्ज़त है मेरी
पहचान तूने बनाई ना होती
कहाँ श्याम जाते कहाँ श्याम जाते

जब तक है सांसें मैं तेरा रहूँगा
सुख हो या दु:ख हो तेरे संग सहूंगा
सुरीले की किस्मत बनाई ना होती
कहाँ श्याम जाते कहाँ श्याम जाते

जग के अंधेरों से बाहर निकाला
कदम लड़खड़ाए तो तुम्ही ने संभाला
निशा में ये रौशनी दिखाई ना होती
कहाँ श्याम जाते कहाँ श्याम जाते

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%9a%e0%a5%8c%e0%a4%96%e0%a4%9f-by-nisha-dwivedi/